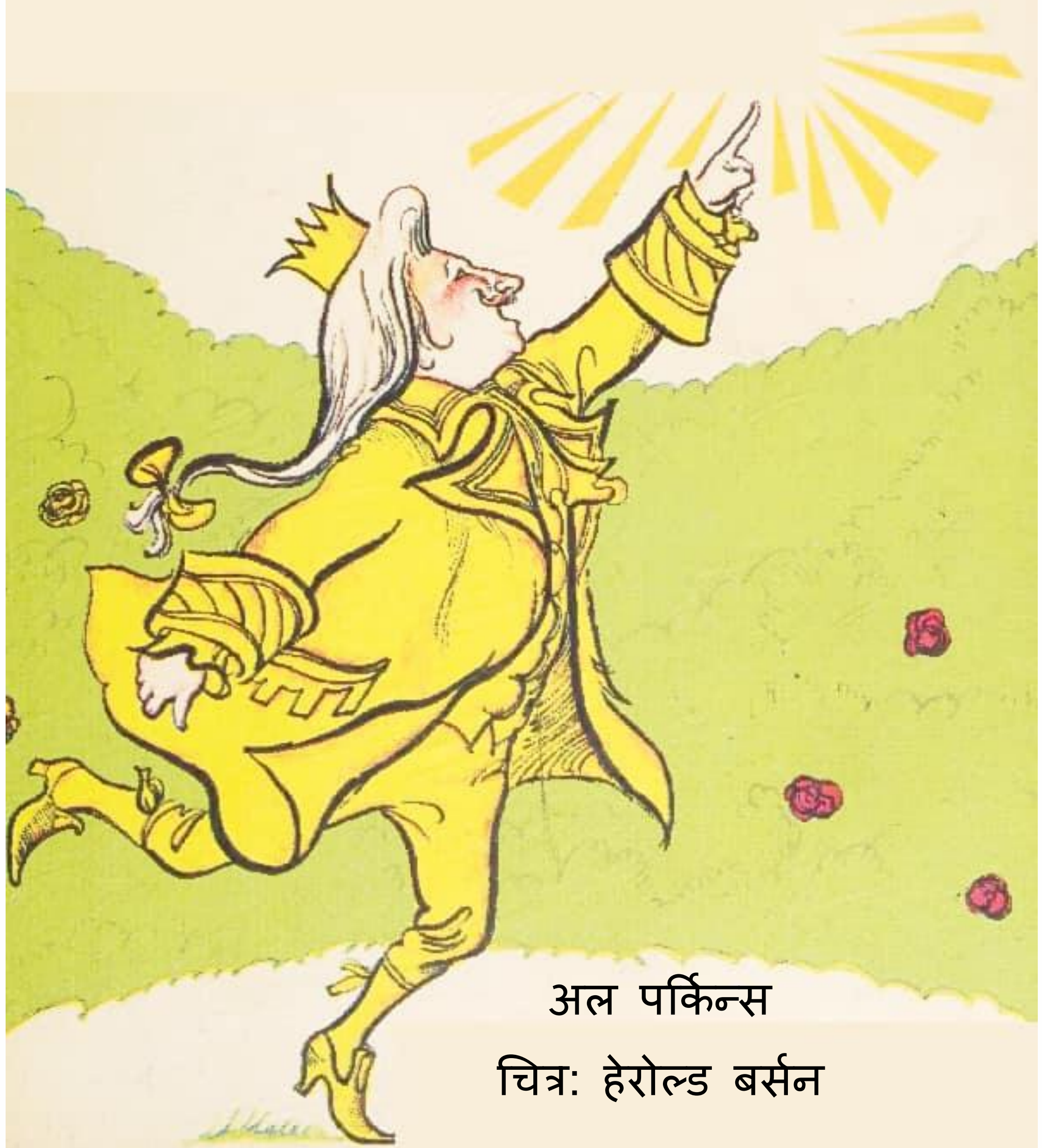
राजा मिडास

जो छुआ वो बना सोना



अल पर्किन्स

चित्र: हेरोल्ड बर्सन



राजा मिडास

जो छुआ वो बना सोना



By Al Perkins

अल पर्किन्स

चित्र: हेरोल्ड बर्सन



राजा मिडास को सोना बहुत पसंद था.
वह सोने के बिस्तर पर सोता था.
उसका पालतू नीला पक्षी
सोने के पिंजरे में रहता था.

हर सुबह नीला पक्षी
राजा को जगाने के लिए गीत गाता था.



हर सुबह राजा अपना
स्वर्ण मुकुट पहनता था,
और अपनी बेटी राजकुमारी लीला
के साथ नाश्ता करता था.

वो शाही अंगूरों का जूस पीता.
वो शाही सॉसेज खाता.
वो सोने के प्यालों से पानी पीता.
और सोने के थाल में खाना खाता.

नाश्ते के बाद राजा अपने शाही सुनारों से मिलने जाता था.
सुनार, राजा के लिए सुनहरी घड़ियाँ और सुनहरी मेजें बनाते थे.

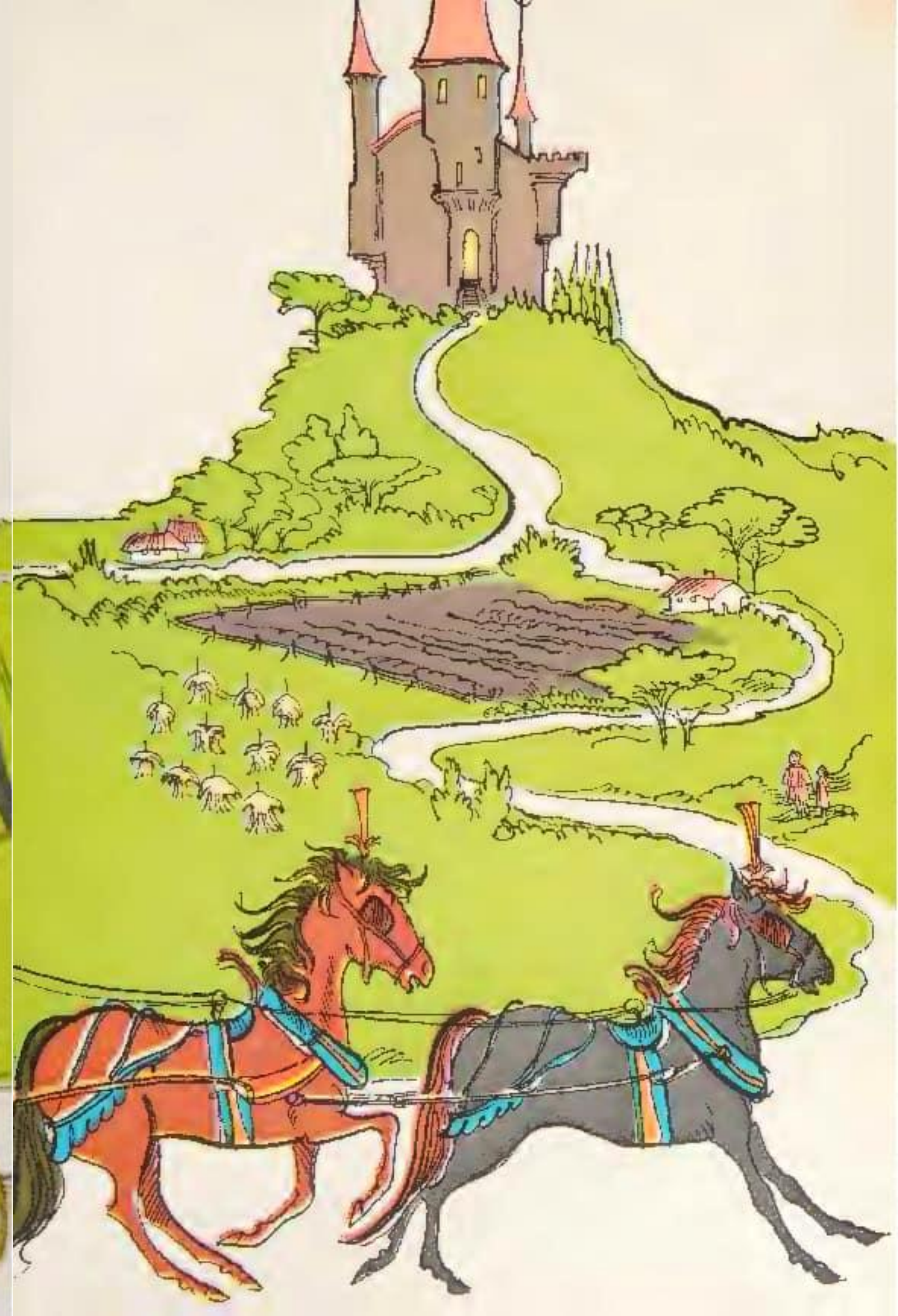


वो राजा के लिए सोने से,
मछली पकड़ने के कांटे भी बनाते थे.



राजा हर दिन घूमने जाता था.
वह अपनी पूरे राज्य में सोने
की तलाश करता था.
फिर वो सोना लेकर अपने
महल में वापस लौटता था.





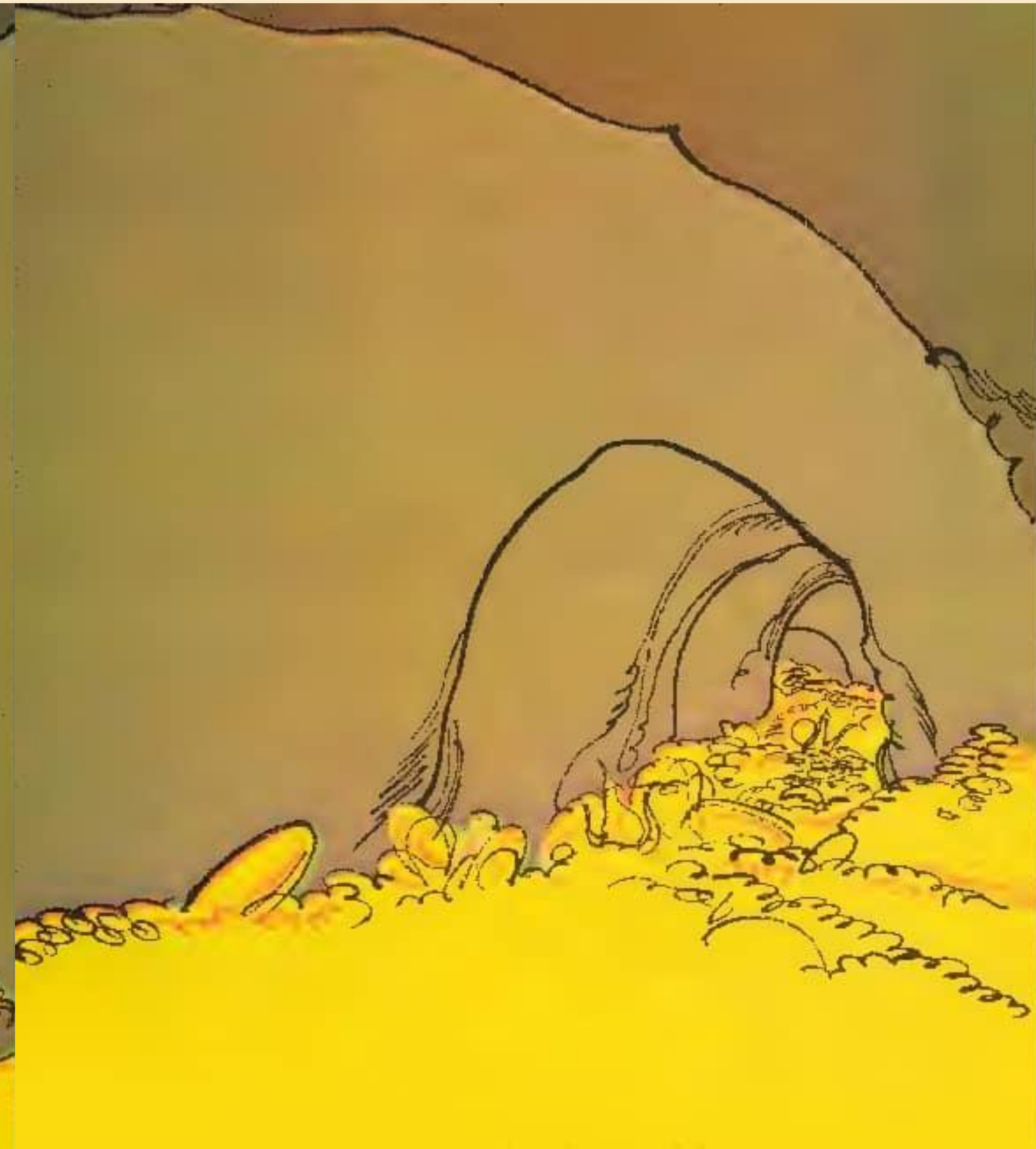


महल में उसके सेवक, सोने को जमीन के नीचे तहखाने में ले जाते.

वहां राजा उनके लिए एक गुप्त दरवाज़ा खोलता.







नौकर सोने को एक बड़ी,

अंधेरी गुफा में ले जाते.

गुफा, सोने से लबालब भर गई थी.

हर दिन राजा मिडास
खुद को गुफा के अंदर
बंद कर लेता.





वह कहता, "सोना!"
“मुझे सोना बहुत पसंद है!
देखो, सोना कैसे चमकता है.”

वह कहता, "सोना!"
“मुझे सोने को छूना बहुत पसंद है.”



“सोना! सोना! सोना!
मुझे अपने सोने से
बेहद प्यार है!”



एक दिन जब राजा अपनी गुफा में था.
तब उसने एक अजीब आवाज़ सुनी.
उसने ऊपर देखा.
उसे एक अजीब सा छोटा आदमी दिखाई दिया.
"तुम अंदर कैसे आए," राजा ने उससे पूछा.



“ओह, मैं कुछ भी कर सकता हूँ,”
छोटे आदमी ने कहा.
“क्यों, मैं तुम्हारी कोई भी इच्छा
पूरी कर सकता हूँ. बताओ तुम
सबसे ज़्यादा क्या चाहते हो?”

“मैं सबसे ज्यादा क्या चाहता हूँ?”
राजा ने कहा, "बेशक सोना!"
“मैं चाहता हूँ कि मैं जिस चीज़ को छुऊँ
वो सोने में बदल जाए.”



“यह एक बहुत बड़ी इच्छा है,”
छोटे आदमी ने कहा.
“लेकिन संभव है कि तुम
इससे ज्यादा खुश न हो.
लेकिन अगर तुम यही चाहते हो...”

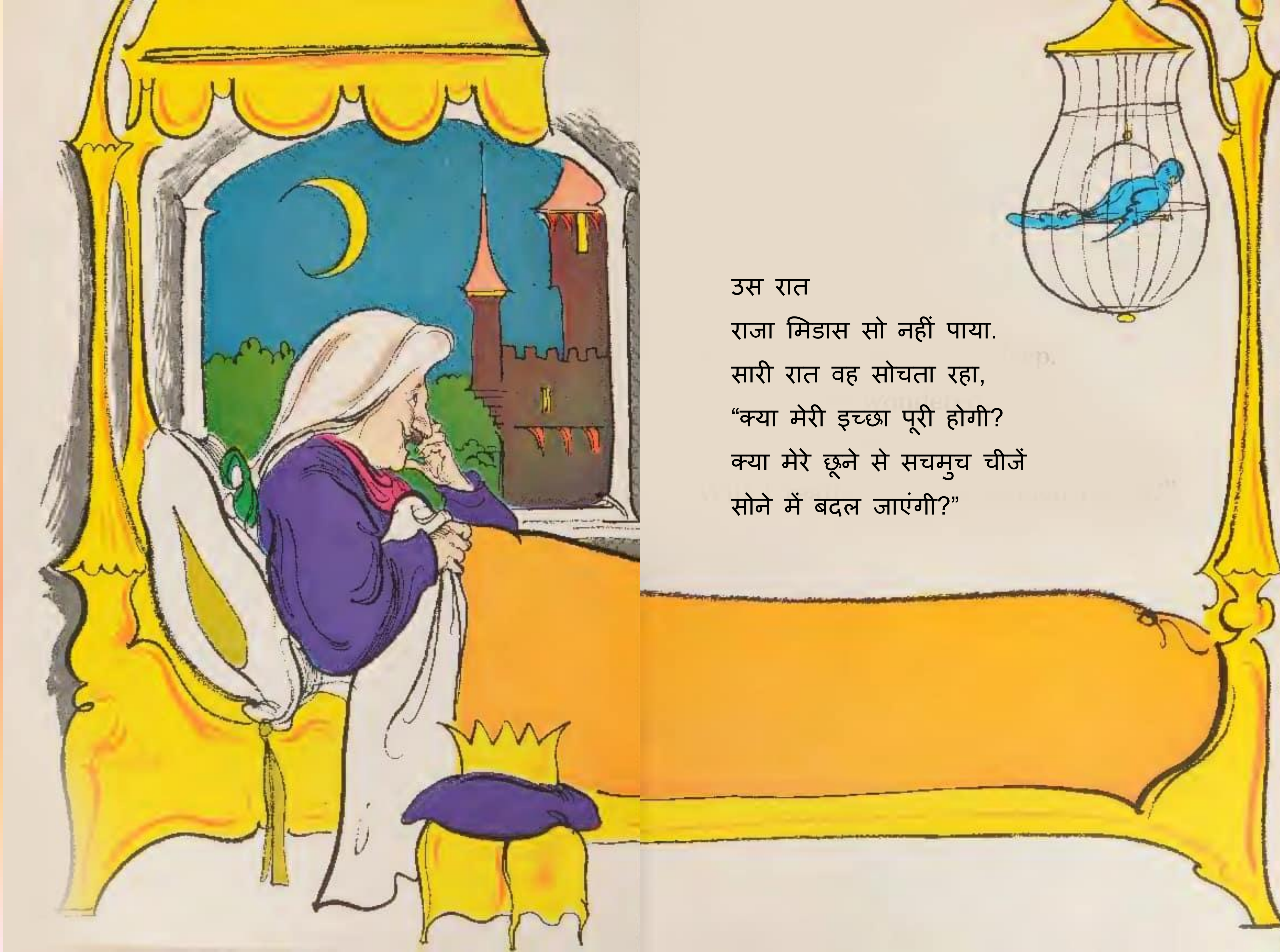


"....मैं तुम्हारी इच्छा जरूर पूरी करूंगा.
अब ऊपर जाओ और बिस्तर पर सो जाओ.
सुबह को तुम जो भी चीज़ छूओगे
वो सोने में बदल जाएगी."

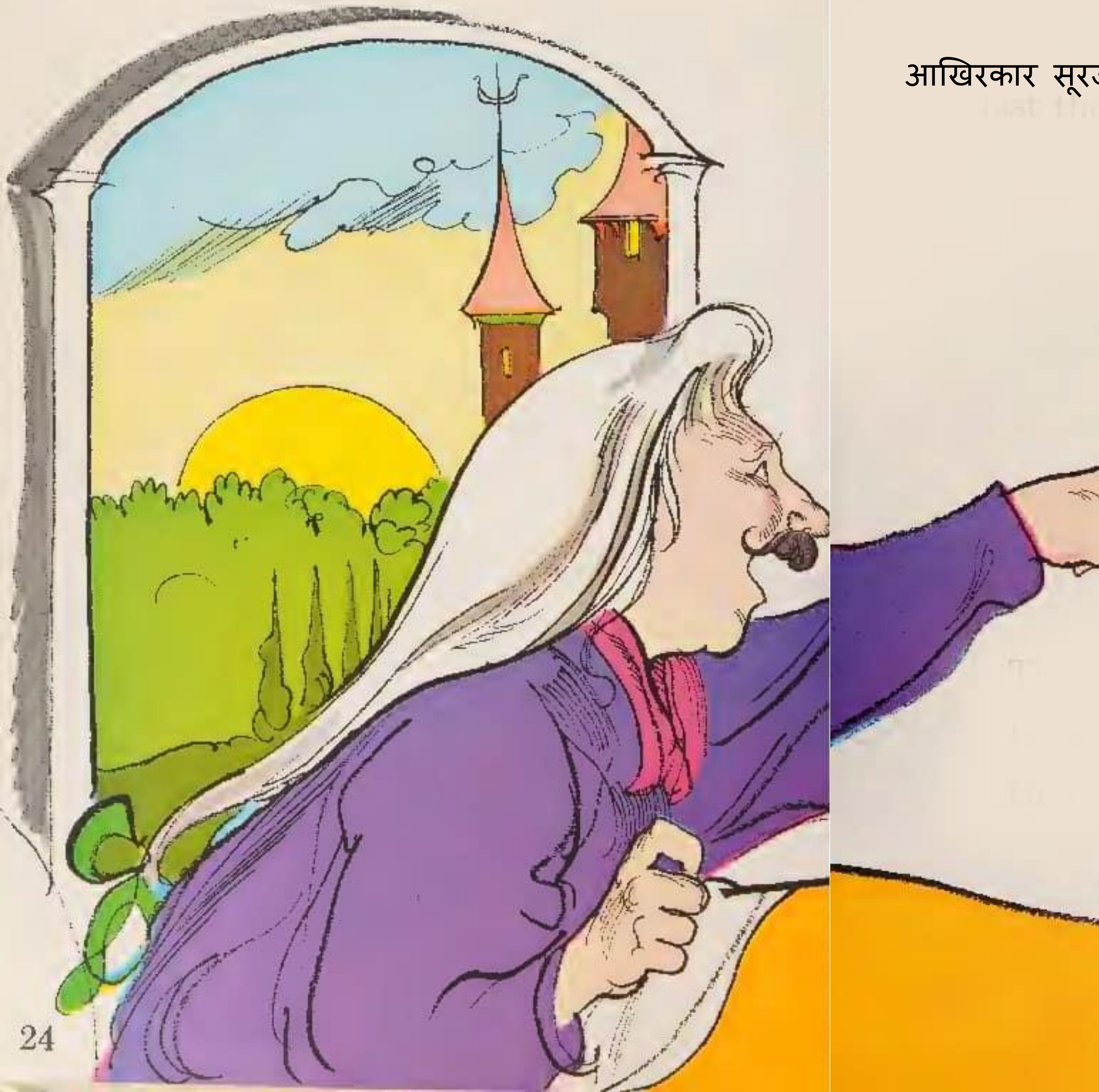


तभी एक बिजली जैसी रोशनी चमकी.
और छोटा आदमी उसमें गायब हो गया.





उस रात
राजा मिडास सो नहीं पाया.
सारी रात वह सोचता रहा,
“क्या मेरी इच्छा पूरी होगी?
क्या मेरे छूने से सचमुच चीजें
सोने में बदल जाएंगी?”



आखिरकार सूरज बाहर निकला.



राजा की नीली चिड़िया गाने लगी.
राजा मिडास उठकर बैठा.
उसने पक्षी को छूने के लिए
अपना हाथ आगे बढ़ाया.

तुरंत, नीला पक्षी सोने में बदल गया.
“जादू काम कर रहा है!”
राजा मिडास खुशी से चिल्लाया.
“अब मेरे पास चीजों को सोने में
बदलने की ताकत है!”



फिर उसने अपना शाही
कोट और पैंट पहनी.



तुरंत उसका कोट और
पैंट सोने के हो गये!



फिर राजा मिडास महल में भागा. उसने एक
दरवाज़ा छुआ, जो सोने में बदल गया.
उसने एक कुर्सी को सोने में बदला.
उसने अपना छाता सोने में बदला.

फिर वह बगीचे में भागा.
वहाँ पर उसने एक मेंढक
को सोने में बदला.



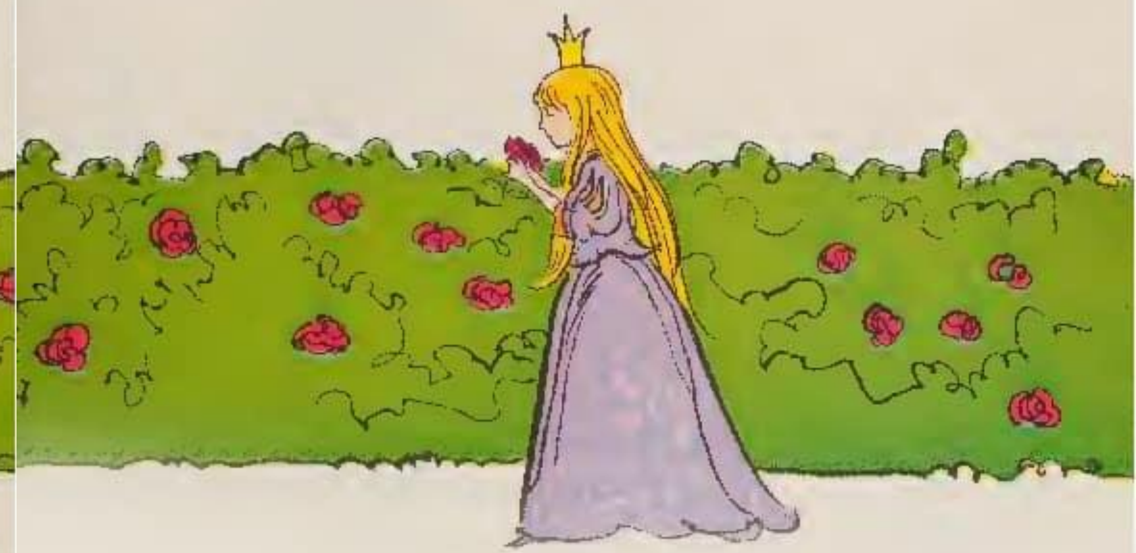
उसने लाल गुलाब को छुआ.

वो भी सोने में बदल गया.

“देखो!” उसने राजकुमारी लीला को पुकारा.

"देखो मैं अब क्या-क्या कर सकता हूँ!"





लेकिन लीला ने कोई जवाब नहीं दिया.

उसे सभी ओर बस सुनहरी चीज़े दिखीं

वे सभी कठोर और ठंडी थीं.

गुलाबों में से खुशबू तक नहीं आ रही थी.

फिर राजा और राजकुमारी
नाश्ता करने के लिए बैठे.
राजा मिडास बहुत खुश था.
उसने खाने के लिए एक शाही
सॉसेज उठाया.



“आउच!” राजा मिडास चिल्लाया.

“मेरा सॉसेज सोने में बदल गया है!”



“मैं अब यह नहीं खा सकता!” वह रोया.

फिर वह अंगूर का जूस पीने के लिए आगे बढ़ा.



“अरे बाप रे!” राजा मिडास चिल्लाया.

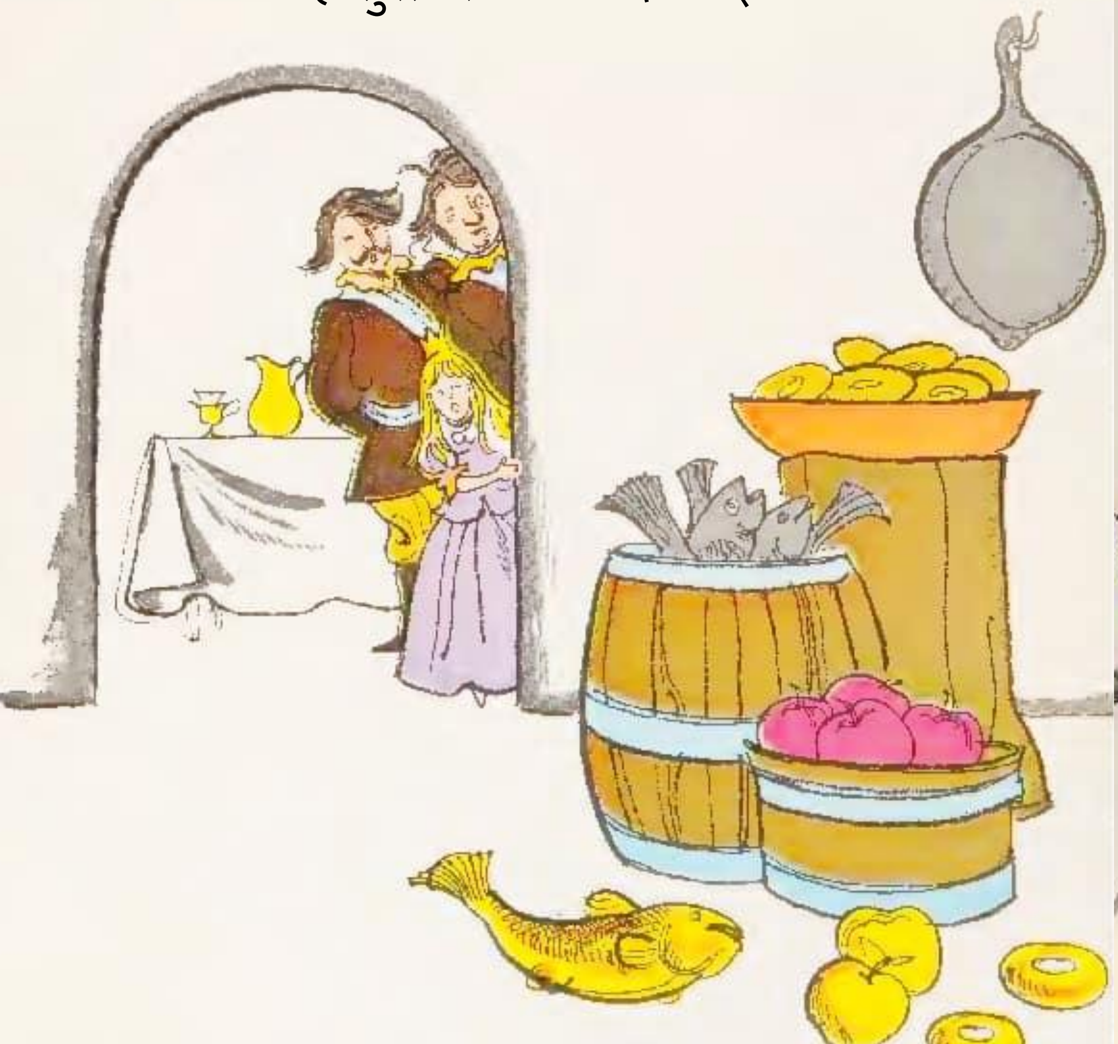


“अंगूर का रस - सुनहरा!”



"मुझे खाना चाहिये!
मुझे तेज़ भूख लगी है!" राजा चिल्लाया.

राजा, शाही रसोई में भागकर गया.
वहाँ उसने एक मछली उठाई.
लेकिन वह तुरंत सोने में बदल गई.





उसने सेब और डोनट्स उठाए.
उसने कुछ और सॉसेज पकड़े.
वे सभी सोने में बदल गए.

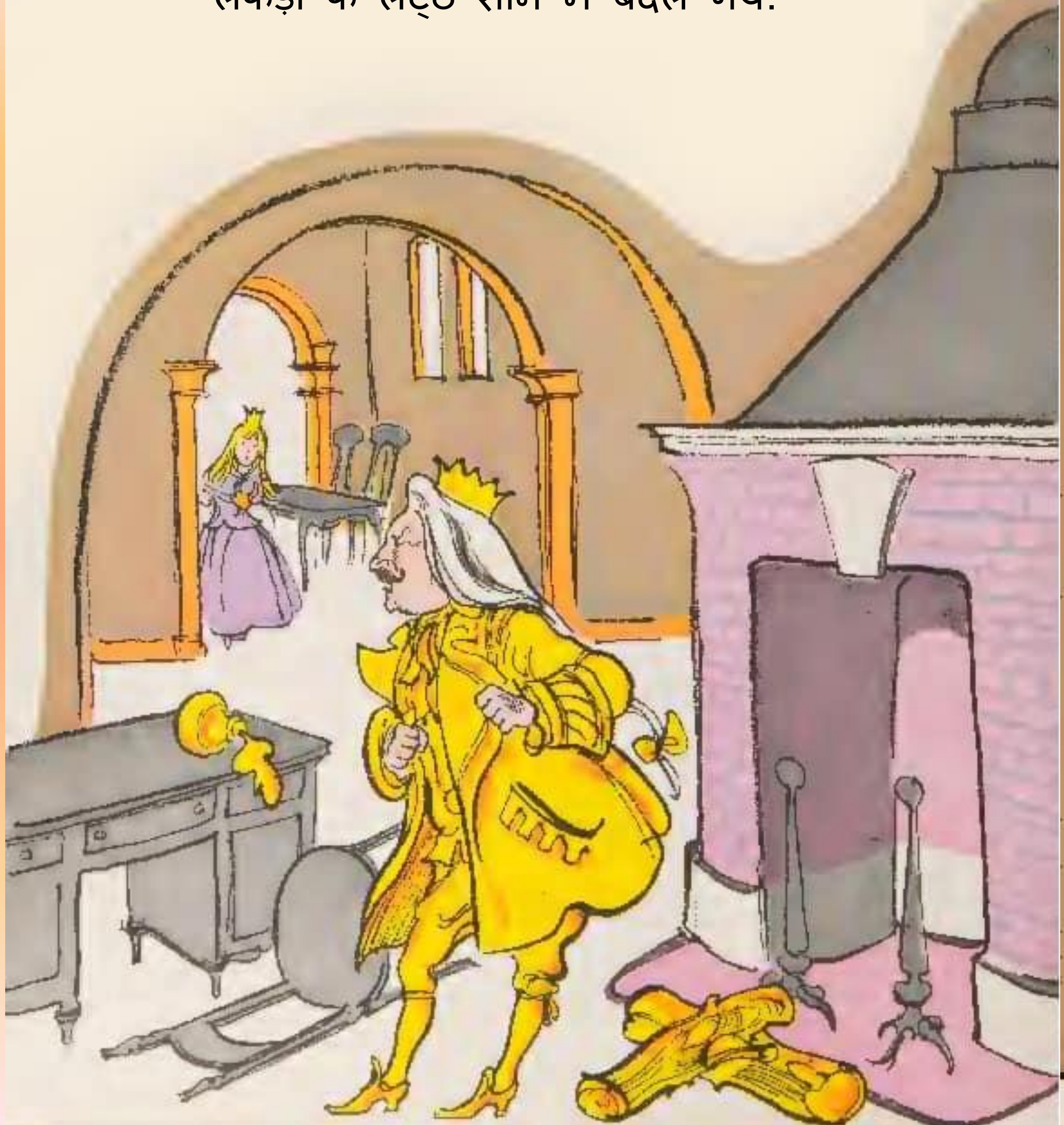
पूरे दिन यही चलता रहा.

अब राजा लिख नहीं सकता था.

उसकी स्याही सोने में बदल गयी थी.

वह आग नहीं जला सका.

लकड़ी के लट्ठे सोने में बदल गये.



राजा के सभी सेवक भाग गये.

कोई भी नौकर इस तरह के

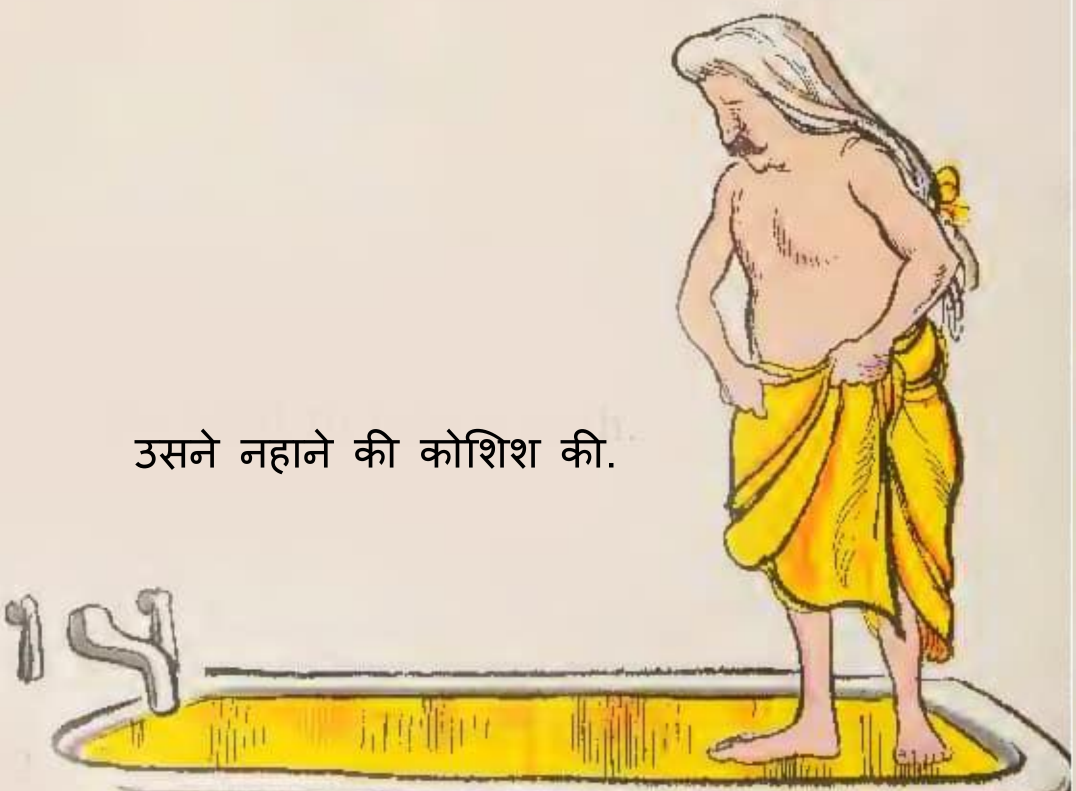
महल में काम नहीं कर सकता था.





उस रात राजा ने
अपने दाँत ब्रश करने
की कोशिश की.

उसने नहाने की कोशिश की.



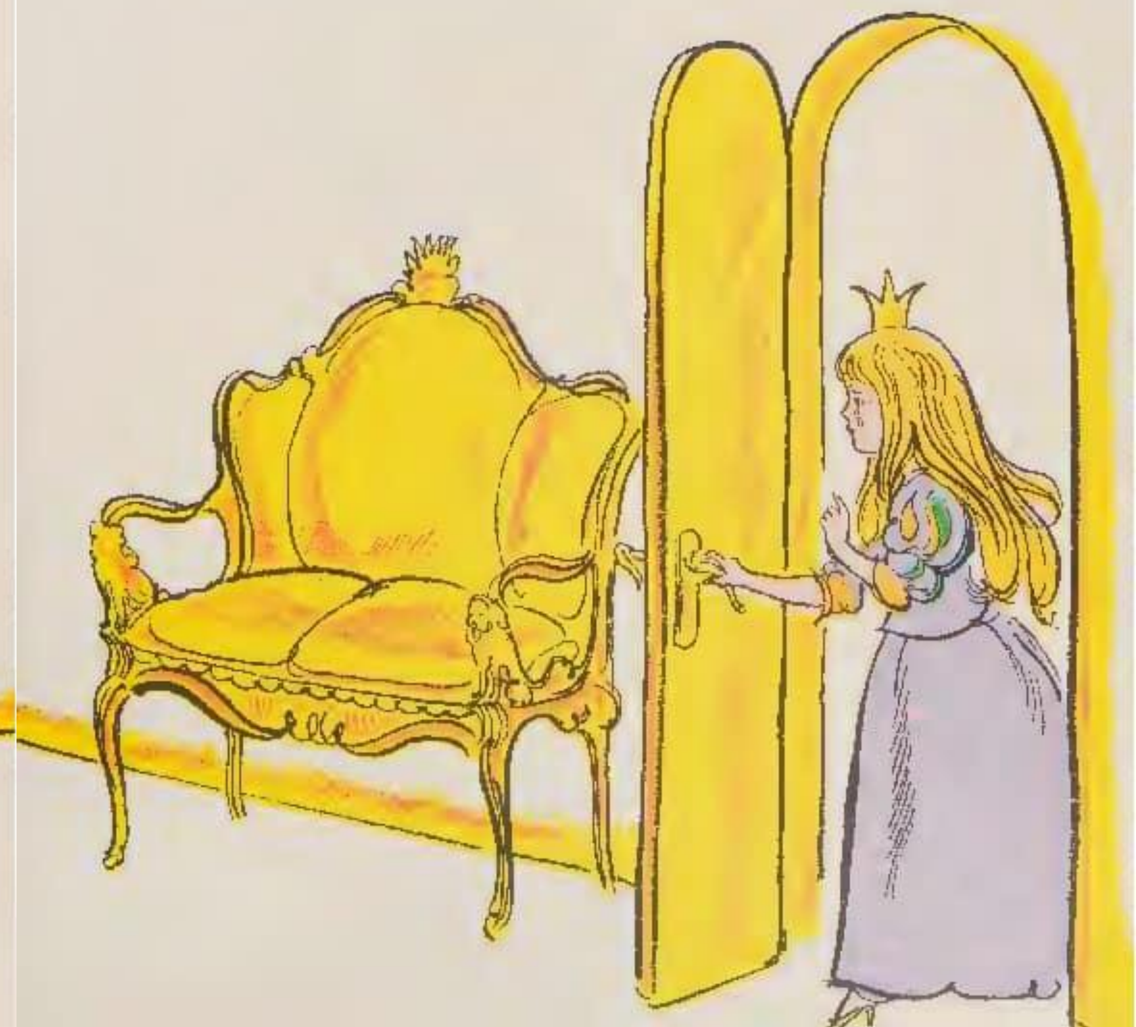
उसने बिस्तर पर लेटने की कोशिश की.
लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पाया.



फिर राजा मिडास अपने
सुनहरे बिस्तर पर बैठा.
वह दुखी होकर रोने लगा.



राजकुमारी लीला ने
अपने पिता को रोते हुए सुना.
वह दौड़ी हुई उनके कमरे में आई.





“क्या हुआ डैडी,” लीला ने कहा.
“कृपया रोइये मत.”

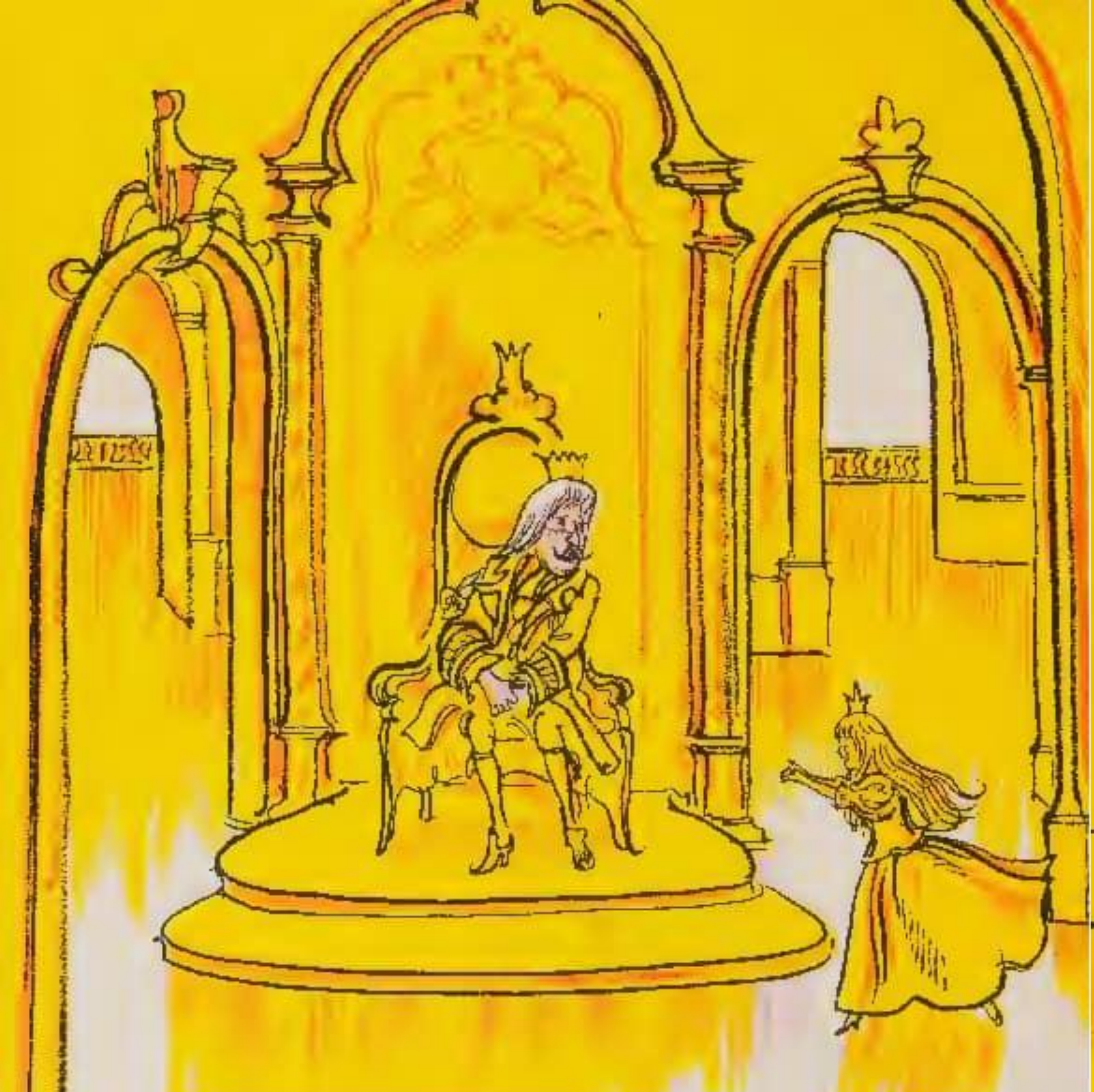
वह दौड़कर अपने पिता के पास गई.
उसने अपनी बाहें फैलाईं.



राजा मिडास ने अपना हाथ बढ़ाया.
उसने अपनी छोटी बच्ची को छुआ.
तुरंत लीला, सोने की
एक मूर्ति में बदल गई.







अगले दिन राजा मिडास
अपने सुनहरे महल में
अपने स्वर्ण सिंहासन पर
जाकर बैठा.



वहां पर दुबारा
पहले जैसी रोशनी चमकी.
राजा मिडास ने ऊपर देखा.
वो छोटा आदमी
फिर वापस आ गया था!



"राजा मिडास," छोटे आदमी ने कहा,
"मुझे लगता है कि मैं तुम्हारी
एक और इच्छा पूरी कर सकता हूं.
अगर तुम्हें सोने से भी ज्यादा
किसी चीज़ से प्यार हो, तो वो सहर्ष मांगो.
राजा मिडास, तुम उसकी कामना करो.
उसे अपने दिल से मांगों!



राजा मिडास खुशी से उछल पड़ा.
उसने अपनी नई इच्छा की
पूरे दिल से कामना की.
फिर उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया.
उसने अपनी ठंडी, सुनहरी बेटी को छुआ.





उसकी इच्छा तुरंत पूरी हो गयी.



फिर राज्य अपनी बेटी को
लेकर महल में भागा.
राजा ने हर चीज़ को छुआ.
राजा के छूने से सभी चीजें
जैसे पहले थीं, वैसी बन गईं.





उसने गुलाबों को छुआ.

उसने मेंढक को छुआ.

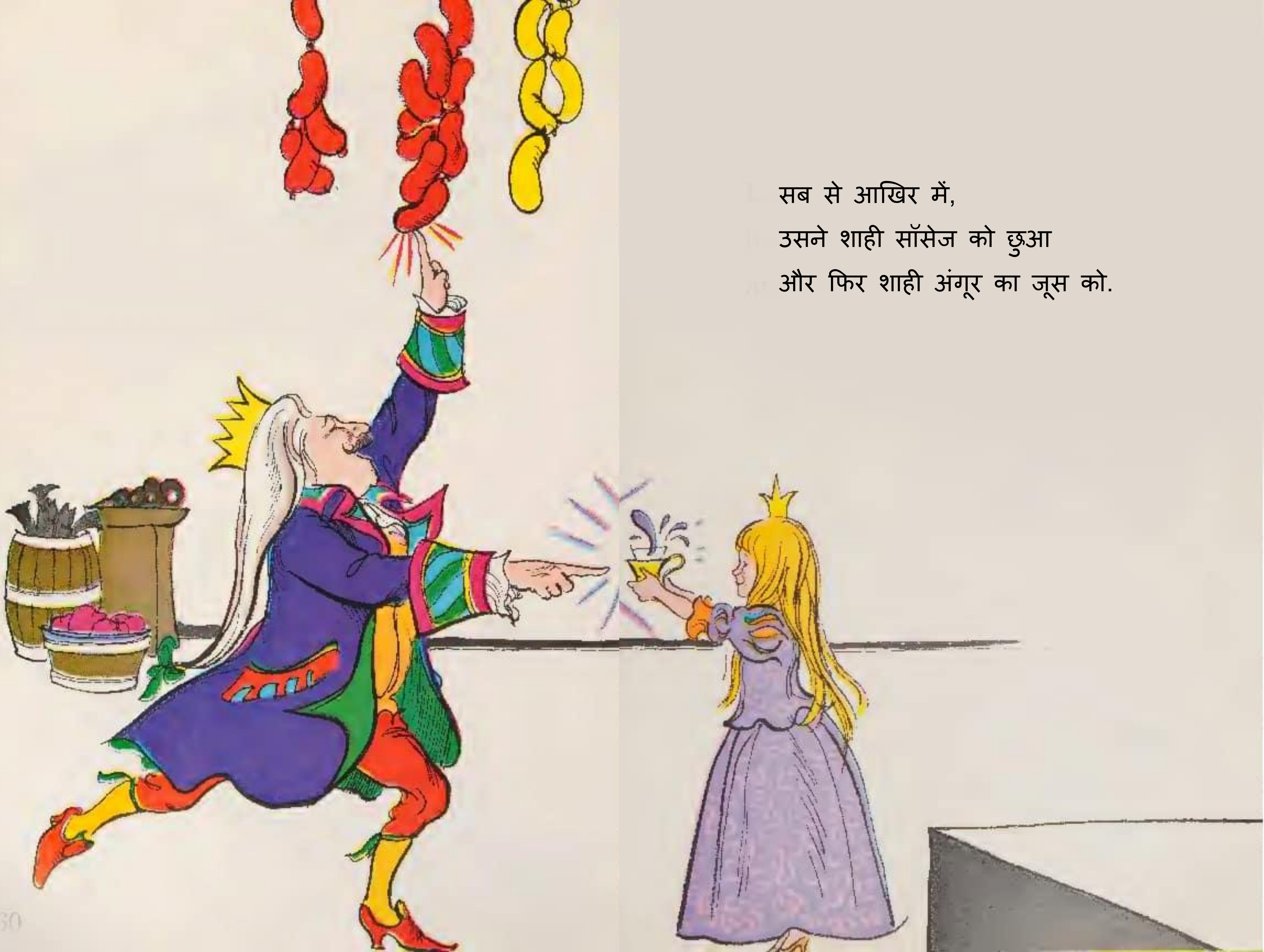




उसने छाते को छुआ.

उसने नीले पक्षी को छुआ.





सब से आखिर में,
उसने शाही सॉसेज को छुआ
और फिर शाही अंगूर का जूस को.



अंत में राजा मिडास
और राजकुमारी लीला नाश्ता करने बैठे.
उनके लिए वो सबसे खुशी का नाश्ता था
जो उन्होंने कभी खाया था.

